मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
# उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 83 ■ शुक्रवार 5 जून 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com



पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी का निधन

## ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों में
# गावठी हाथ भट्टियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई



- 213 लोग गिरफ्तार
- 313 केस दर्ज
- 1.5 करोड़ से ज्यादा का सामान नष्ट

**ठाणे.** पुणे में जहरीली शराब से हुए हादसे के बाद एक्साइज डिपार्टमेंट ने ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों में कार्रवाई करते हुए 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा का सामान नष्ट किया। साथ ही, इस मामले में 313 केस दर्ज किए गए हैं और 213 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक्साइज डिपार्टमेंट ने बताया कि सबसे ज्यादा कार्रवाई ठाणे जिले में की गई। डिप्टी कमिश्नर प्रदीप पवार ने खुद इस कार्रवाई में हिस्सा लिया और नाव से खाड़ी में घूमकर हाथ भट्टी वाली जगह पर रेड की।

पुणे में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद राज्य भर में चल रही हाथ भट्टियों का मामला सामने आया। एक्साइज कमिश्नर राजेश देशमुख और जॉइंट कमिश्नर प्रसाद सर्वे के निर्देश पर डिविजनल डिप्टी कमिश्नर प्रदीप पवार ने ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमें बनाईं। साथ ही, हाथ भट्टी बनाने और बेचने वाले सेंटर्स के खिलाफ भी कैंपेन चलाया गया। 29 मई से 2 जून तक ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों में 313 केस दर्ज किए गए और 213 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस ऑपरेशन में 1 करोड़ 58 लाख 17 हजार 546 रुपये का सामान जब्त किया गया।

ठाणे जिले में हुए ऑपरेशन में दिवा, घेसर, अंजुर, अलीमघर, छोटी देसाई, मोठी देसाई, अगासन, खारडी, सरलम्बे, वाशला, घोरपे, पालेगांव, सवर्णे, वेलु, कोरावाले, वासरगांव, हाजीमलंग, कुशिवली, मनेरागांव, द्वारलीपाड़ा, कुंभारली, केवाणी, कलवार, वदुनावघर, मामेखारडी, करिवली, मामनोली, जांभुलगांव, नंदपगांव, केशव सृष्टि, उत्तन, मुरादगांव, कोपराखड़ी, गोराई खाड़ी में कार्रवाई की गई। पालघर जिले के मालजीपाड़ा, वसई, विरार और पालघर में और रायगढ़ जिले के रावेगांव, बेकारेगांव, जवालीगांव में कार्रवाई की गई।

> डिप्टी कमिश्नर प्रदीप पवार ने खुद इस कार्रवाई में हिस्सा लिया और खाड़ी से हटभट्टी इलाके तक नाव से जाकर छापेमारी की। इस छापेमारी में सुपरिटेंडेंट उत्तम शिंदे, डिप्टी सुपरिटेंडेंट अभिजीत देशमुख, इंस्पेक्टर संजय ढेरे, दीपक परब, सब-इंस्पेक्टर अंकुश औताड़े और दूसरे कर्मचारी मौजूद थे। एक्साइज डिपार्टमेंट ने अपील की है कि अगर कहीं भी नकली शराब, विदेशी शराब और गैर-कानूनी शराब का प्रोडक्शन, मिलावट, ट्रांसपोर्टेशन या केमिकल की बिक्री हो तो टोल फ्री नंबर 18002339999 पर संपर्क करें।

# शहाड ब्रिज का विस्तारीकरण

- फोर लेन का बनेगा फ्लाईओवर
- कल्याण के प्रवेश द्वार पर ट्रैफिक जाम जल्द होगा खत्म
- आचार संहिता के बाद शुरू होगा काम





**उल्हासनगर.** कल्याण और उल्हासनगर शहरों को जोड़ने वाले और शहर के अंदर ट्रैफिक के लिए बहुत ज़रूरी शहाड रेलवे फ्लाईओवर के एक्सपेंशन और ठाकुर्ली से म्हसोबा चौक एलिवेटेड रोड का काम जल्द ही शुरू होगा। विधान परिषद चुनाव के मद्देनजर में लगी आचार संहिता खत्म होते ही ये काम शुरू हो जाएंगे, जिससे कल्याण, उल्हासनगर और डोंबिवली इलाकों में ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करने में मदद मिलेगी। इन दोनों प्रोजेक्ट्स के लिए मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के ज़रिए कुल करीब 356 करोड़ रुपये दिए गए हैं, और इसके लिए टेंडर प्रोसेस पहले ही पूरा हो चुका है।

कल्याण-अहिल्यानगर नेशनल हाईवे पर शहाड रेलवे स्टेशन के पास मौजूदा फ्लाईओवर अभी सिर्फ टू-लेन है। कल्याण-डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डेवलपमेंट प्लान के मुताबिक, इस ब्रिज के कल्याण साइड में सड़क की चौड़ाई 30 मीटर है, जबकि उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया में साइड की चौड़ाई 36 मीटर है। ब्रिज के दोनों तरफ फोर-लेन सड़कें बनी हैं, लेकिन मेन फ्लाईओवर सिर्फ टू-लेन होने की वजह से इस जगह पर एक पतला हिस्सा बन जाता है और हर दिन भयंकर ट्रैफिक जाम लगता है। अगर कोई गाड़ी ब्रिज पर फंस जाती है या फ्लाईओवर की मरम्मत होती है, तो पूरा ट्रैफिक रुक जाता है। इस वजह से अक्सर गाड़ियों की कतारें सीधे कल्याण में प्रेम ऑटो और बिड़ला कॉलेज तक पहुंच जाती हैं। इस रुकावट को तोड़ने और हादसों की संख्या को रोकने के लिए कल्याण लोकसभा क्षेत्र के MP डॉ. श्रीकांत शिंदे का फॉलो-अप चल रहा था। इसलिए, अब MMRDA के ज़रिए 320 करोड़ रुपये का फंड मंज़ूर किया गया है, और इस 1090 मीटर लंबे ब्रिज को अब फोर-लेन बनाया जाएगा।

ये दोनों प्रोजेक्ट कल्याण, उल्हासनगर, ठाकुरली और डोंबिवली इलाकों के लोगों को आसान, सुरक्षित और तेज़ ट्रांसपोर्टेशन देंगे। सड़कों की बढ़ी हुई कैपेसिटी से यात्रा का समय बचेगा और बहुत सारा फ्यूल बचेगा। इन दोनों ज़रूरी प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रोसेस पूरा हो चुका है, और कोड ऑफ़ कंडक्ट का समय खत्म होते ही असल में कंस्ट्रक्शन शुरू हो जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों और ड्राइवरों में खुशी की बात है।

### ठाकुर्ली रेलवे गेट से म्हसोबा चौक तक बाकी बचे एलिवेटेड रोड का काम भी तेज़

इसके साथ ही, ठाकुरली रेलवे गेट से म्हसोबा चौक तक बाकी बचे एलिवेटेड रोड का काम भी तेज़ कर दिया गया है। ठाकुरली लेवल क्रॉसिंग और मानपाड़ा चौक के बीच करीब 36 करोड़ रुपये की लागत से 360 मीटर लंबी और 7.5 मीटर चौड़ी एलिवेटेड रोड बनाई जाएगी। इस प्रोजेक्ट के तहत 1,050 मीटर लंबी और 7.5-8.5 मीटर चौड़ी कनेक्टिंग रोड भी बनाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट इलाके में बढ़ती आबादी की वजह से ट्रैफिक की भीड़ और यात्रा में होने वाली देरी को कम करने में बहुत ज़रूरी होगा।

# जाम से राहत के लिए 5 सड़कों पर नो पार्किंग

## यातायात विभाग ने 30 दिनों के लिए ट्रायल बेसिस पर शुरू किया

**उल्हासनगर.** ट्रैफिक पुलिस ने अब उल्हासनगर के लोगों को रोज़ाना आने-जाने में होने वाले भारी ट्रैफिक जाम से हमेशा के लिए राहत देने के लिए बहुत सख्त कदम उठाए हैं। शहर में मुख्य सड़कों के दोनों ओर बेतरतीब पार्किंग की वजह से अक्सर होने वाले ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए, प्रशासन ने शहर की पांच मुख्य सड़कों पर 24 घंटे "नो-पार्किंग" का नियम लागू कर दिया है। खास बात यह है कि यह नया सिस्टम शुरू में 30 दिनों के लिए ट्रायल बेसिस पर लागू किया जाएगा, जिसके बाद लोगों से मिले फीडबैक और सुझावों के आधार पर आखिरी और पक्का फैसला लिया जाएगा.

यातायात विभाग के पुलिस उपायुक्त, पंकज शिरसाठ ने उल्हासनगर में बढ़ते ट्रैफिक जाम को कंट्रोल करने के लिए यह नोटिफिकेशन जारी किया है। ट्रैफिक पुलिस के अंदरूनी ऑब्ज़र्वेशन के मुताबिक, उल्हासनगर ईस्ट इलाके में कई मेन सड़कों पर सड़क के दोनों तरफ गाड़ियों की बिना रोक-टोक पार्किंग और बिना इजाज़त कमर्शियल गाड़ियों की वजह से सड़कों की चौड़ाई कम हो रही थी और ट्रैफिक सिस्टम पूरी तरह से बिगड़ रहा था। खासकर सुबह और शाम के व्यस्त समय में कर्मचारियों और आम लोगों को घंटों ट्रैफिक जाम में फंसा रहना पड़ता था। इन बढ़ती शिकायतों पर ध्यान देते हुए, प्रशासन ने आखिरकार ये नई पाबंदियां लागू कर दी हैं।

कामेश्वर महादेव मंदिर और रेलवे स्टेशन के बीच के हिस्से पर जाम प्रशासन के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गया था। इस इलाके में बनाए गए स्काईवॉक पिलर की वजह से मेन रोड पहले ही पतली हो गई है, और दोनों तरफ पार्किंग करना गाड़ी चलाने वालों के लिए सिरदर्द बन रहा था। इसलिए, माना जा रहा है कि इस खास हिस्से पर नो-पार्किंग लगाने का फैसला यहां जाम खत्म करने में फायदेमंद होगा।



### आपत्ति व सुझाव आमंत्रित

■ इस बीच, ट्रैफिक पुलिस ने इस व्यवस्था पर आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया है। अगले 30 दिन के ट्रायल पीरियड के दौरान, स्थानीय नागरिकों, गाड़ी चलाने वालों या दुकानदारों से अपील की गई है कि अगर उन्हें इस नियम के बारे में कोई आपत्ति या सुझाव है तो वे लिखकर दें।

### इन सड़कों पर रहेगी नो पार्किंग

- इस नोटिफिकेशन के मुताबिक, शहर की पांच बहुत ज़रूरी और सेंसिटिव सड़कों पर दोनों तरफ गाड़ियों की पार्किंग पूरी तरह से बैन कर दी गई है।
- इनमें भीम कॉलोनी इलाके में गुलशन जूस सेंटर और सत्कार बार एंड रेस्टोरेंट के बीच का 200 मीटर का एरिया
- पांडुरंग बैंड पार्क से कृभाणा डेयरी की ओर जाने वाली सड़क पर 300 मीटर का हिस्सा और आगे सक्सर चर्च की ओर,
- बालाजी ताड़ी माडी सेंटर और सत्यम सुपर मार्केट के बीच 50 मीटर का एरिया शामिल है।
- कामेश्वर महादेव मंदिर से उल्हासनगर ईस्ट रेलवे स्टेशन तक सबसे बिज़ी 300 मीटर के हिस्से और चंद्रमणि बुद्ध विहार से मद्रासी पाड़ा और जरी मारी माता मंदिर इलाके तक 100 मीटर के हिस्से पर 24 घंटे नो-पार्किंग होगा।

## कल्याण रेलवे क्राइम ब्रांच का बड़ा ऑपरेशन
# सिद्धेश्वर एक्सप्रेस से करोड़ों की ज्वेलरी चोरी के मामले में एक और गिरफ्तार

- 1.27 करोड़ रुपये की ज्वेलरी जब्त

**कल्याण.** सोलापुर-कल्याण के बीच चलने वाली सिद्धेश्वर एक्सप्रेस से करोड़ों रुपये की ज्वेलरी चोरी के मामले में कल्याण रेलवे क्राइम ब्रांच को एक और सफलता मिली है। इस मामले में दस आरोपियों में से तीन को पहले गिरफ्तार किया गया था। अब पुलिस ने पुणे के रहने वाले उर्फ शिवाया डिकोले को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 1 करोड़ 27 लाख रुपये के बिस्कुट जब्त किए गए हैं। एक बिजनेसमैन अपनी बेटी के साथ ज्वेलरी बेचने सोलापुर गया था। यह घटना छह महीने पहले हुई थी जब वह ज्वेलरी लेकर मुंबई लौट रहा था।

जांच के दौरान शिवाया डिकोले से करीब 1 करोड़ 27 लाख रुपये की ज्वेलरी जब्त की गई है। पुलिस ने अब तक चार आरोपियों से 1.62 करोड़ रुपये के बिस्कुट जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, चोरी के बाद आरोपियों ने ज्वेलरी को पिघलाकर सोने के बिस्कुट में बदल दिया था, ताकि सबूत नष्ट हो जाएं और सामान की पहचान न हो सके। इस केस की जांच कल्याण रेलवे क्राइम ब्रांच कर रही है और गिरफ्तार आरोपियों से ज़रूरी जानकारी मिली है। पुलिस ने बताया है कि इस क्राइम में छह और आरोपी अभी भी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है। पुलिस को अभी भी 2.5 करोड़ रुपये या करीब 3 करोड़ रुपये की ज्वेलरी ज़ब्त करनी है। करोड़ों रुपये की इस चोरी से रेल यात्रियों की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर सामने आ गया है और उम्मीद जताई जा रही है कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद इस क्राइम में और सुराग मिल सकते हैं।

# 2 अधिकारियों ने कंपनी को 80 लाख का लगाया चूना

**अंबरनाथ.** एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जिसमें अंबरनाथ ईस्ट में 'एक्मे इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स एंड सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी के एक डायरेक्टर और एक प्रोडक्शन सुपरवाइजर ने मिलकर कंपनी को 80 लाख 09 हजार रुपये का चूना लगाया। इस मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

लक्ष्मीनारायण श्रीनिवास (65, निवासी नेरुल, नवी मुंबई) ने इस बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उनकी शिकायत के आधार पर, कंपनी के डायरेक्टर/पार्टनर नरेश महाजन (55, निवासी खड़कपाड़ा, कल्याण वेस्ट) और प्रोडक्शन सुपरवाइजर मुन्ना यादव (32, निवासी कंचनपुरम, लोकनगरी, अंबरनाथ ईस्ट) के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

यह धोखाधड़ी जून 2020 से दिसंबर 2024 के बीच अंबरनाथ ईस्ट में आनंदनगर MIDC इलाके में कंपनी के परिसर B-78 में हुई। आरोपी नरेश महाजन ने कंपनी में डायरेक्टर और पार्टनर रहते हुए अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। कंपनी के बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स से बिना कोई परमिशन लिए और बिना कोई पहले से नोटिस दिए, उसने कंपनी को मिला परचेज़ ऑर्डर हाई प्रेशर टेक्नोलॉजी, सृष्टि इंजीनियरिंग और साहिल इक्विपमेंट कंपनियों को अपने ही परिवार के नाम पर दे दिया। इसके ज़रिए उसने कंपनी को 61 लाख 29 हज़ार रुपये का नुकसान पहुँचाकर और खुद को फ़ाइनेंशियल फ़ायदा पहुँचाकर धोखाधड़ी की।

## पाइपलाइन की मरम्मत युद्धस्तर पर

**उल्हासनगर.** मॉनसून से पहले नालियों की सफ़ाई की प्रक्रिया के दौरान हुई लापरवाही के कारण कई घरों में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। नालियों की सफ़ाई के काम के दौरान एक JCB मशीन की टक्कर लगने से, इलाके को पानी पहुँचाने वाली मुख्य पाइपलाइनें टूट गईं। नागरिकों के भारी विरोध के बाद, उप-महापौर अमर लुंड तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे; उन्होंने संबंधित ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई और मरम्मत के लिए तत्काल आदेश जारी किए।

यह घटना राहुलनगर में पुराने टेलीफ़ोन एक्सचेंज कार्यालय के पास उस समय हुई, जब नालियों की सफ़ाई का काम चल रहा था। JCB मशीन से काम करते समय पानी की पाइपलाइन टूट जाने के कारण, इलाके के कई निवासियों को लगातार तीन दिनों तक पानी की किल्लत का सामना करना पड़ा।

# अंबरनाथ छत्रपति शिवाजी भाजी मंडई और शॉपिंग सेंटर का निर्माण होगा

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ पश्चिम में सर्वे नं. 99 आरक्षित जगह पर सभी सुविधाओं से लैस छत्रपति शिवाजी भाजी मार्केट और शापिंग सेंटर निर्माण किया जाएगा. शहरवासियों को खरीदारी करने के लिए विभिन्न स्थानों पर जाने की जरूरत नहीं होगी. भाजी मार्केट और शॉपिंग सेंटर एक ही छत के नीचे आ जाने से समय और श्रम दोनों ही बचेगा. इमारत की रचना पूरी सुरक्षा की दृष्टि से और अत्याधुनिक सेवा अनुसार होगा. इस प्रकल्प की जानकारी स्थानीय व्यापारी और गाला धारकों से लेकर की जाएगी. उनकी सूचना और मुनासिब बदलाव पर सकारात्मक विचार किया जाएगा.



कल्याण लोकसभा के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में और विधायक डॉ. बालाजी किणीकर एवं नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले पाटिल की निगरानी में अंबरनाथ शहर का चेहरा-मोहरा बदलने का विकास कार्य युद्ध स्तर पर शुरू है. विकास करते समय सामान्य के हित के बारे में सोचना यही हमारा ऊसूल है. ऐसा विकास संबंध में ली गई चर्चा बैठक में कहा गया है.

इस बैठक में मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़, गुलाबराव करंजुले पाटिल, पूर्व नगराध्यक्ष सुनिल चौधरी, पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल शेख, शिवसेना गट नेता रविंद्र करंजुले, अभिजीत करंजुले पाटिल, व्यापारी संघ अध्यक्ष खानजी धल, नपा के नगर रचनाकार शहर अभियंता महसूल विभाग के नायब तहसीलदार भूमि अभिलेख कार्यालय के अधिकारी आदि उपस्थित थे. सर्वे नं. 118 इस भूखंड का तत्काल मोजमाप करने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है.

# अंबरनाथ श्मशान भूमि में कई महिनों से शवदाहिनी बंद

- नगरसेवक ने नपा प्रशासन को दिया निवेदन

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ पश्चिम स्थित कैलाश नगर श्मशान भूमि की बदहाली, शवदाहिनी कई महिनों से बंद होने के कारण परेशानी एवं श्मशान भूमि के टूटे कठडे को जल्द से जल्द नया बिठाने की मांग को लेकर शिवसेना के नगरसेवक विकास हेमराज ने मुख्याधिकारी को एक निवेदन दिया है. अगर दस दिनों के भीतर शवदाहिनी शुरू नहीं की गई तो एक शव को वह नगर परिषद के प्रांगण में दफनाएंगे. ऐसी सख्त चेतावनी उन्होंने नपा प्रशासन की दी है.

मुख्याधिकारी को दिए गए निवेदन में कहा गया है कि सीएनजी शवदाहिनी की सुविधा उपलब्ध करा कर दी जाए. शव दहन करने के लिए लगाए गए रैक टूट गए हैं. वह तुरंत नए लगाएं जाएं. शव दहन करने वाले परिसर के छत के पत्रे टूट गए हैं. बारिश के दिनों में बरसाती पानी गिरने से शवदहन करना मुश्किल हो जाएगा. इसलिए छत के पत्रे बरसात से पहले नए बिठाए जाएं.

स्नान गृह एवं बाथरूम की हालत एकदम खस्ता है. ये नए बनाए जाएं. श्मशान भूमि में मिट्टी की कमी हो गई है. कुछ समाज के लोग शव को दफनाते हैं, तो शव ऊपर दिखाई देता है. इसलिए श्मशान भूमि में मिट्टी का भराव करने की मांग विकास सोमेश्वर ने की है. पानी की नई पाइप लाइन एवं पानी का नया टैंक बिठाने की मांग भी की गई है.

# धनंजय सिंह करेंगे उल्हासनगर का दौरा

**उल्हासनगर.** कल्याण युवा सेना के लोकसभा सेक्रेटरी हरजिंदर सिंह (विक्की) भुल्लर ने मुंबई दौरे पर आए उत्तर प्रदेश के पूर्व MP और पॉपुलर लीडर धनंजय सिंह से गुडविल विजिट की। इस विजिट के दौरान अलग-अलग सोशल और पब्लिक इंटरेस्ट के मुद्दों पर डिटेल में चर्चा हुई। इस मौके पर धनंजय सिंह ने विक्की भुल्लर को जल्द ही उल्हासनगर आने का भरोसा दिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि वे जौनपुर इलाके के लोगों, सपोर्टर्स और वर्कर्स से मिलकर उनके सुख-दुख शेयर करेंगे।

### पब्लिक रिलेशन और ऑर्गनाइजेशन बनाने पर चर्चा

इस मौके पर शिवसेना डिपार्टमेंट हेड प्रमोद पांडे, शिवसेना मेडिकल सिटी कोऑर्डिनेटर बिपिन सिंह, ब्रांच हेड सुमित सिंह और सोशल वर्कर राजेश यादव मौजूद थे। विक्की भुल्लर ने बताया कि पब्लिक रिलेशन, ऑर्गनाइजेशन बनाने और सोशल इंटरेस्ट के अलग-अलग टॉपिक पर यह चर्चा बहुत पॉजिटिव और इंस्पायरिंग रही।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

## सुप्रीम कोर्ट ने बदल दी "परिवार" की परिभाषा

विचित्र बात है कि विवाह के बाद समाज बेटियों को परिवार से अलग मान लेता है। जबकि बेटियां माता-पिता के प्रति अपना दायित्व बखूबी निभाती हैं और जरूरत पड़ने पर उनकी देखभाल करती हैं। हालांकि प्रतिकूल परिस्थिति में वे आश्रित भी रहती हैं। ऐसे में परिवार की परिभाषा में उन्हें शामिल न करना न केवल समानता के सिद्धांत के विपरीत, बल्कि अव्यावहारिक भी है।

गौरतलब है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक फैसले को रद्द करते हुए बीते मंगलवार को शीर्ष न्यायालय ने व्यवस्था दी कि बेटी को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति से बाहर नहीं रखा जा सकता और परिवार की परिभाषा में उन्हें शामिल न करना मनमाना, अनुचित तथा संवैधानिक रूप से अस्वीकार्य है।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के उद्देश्य से परिवार की परिभाषा में विवाहित बेटी शामिल नहीं है।

इस पर एक मृत राशन विक्रेता की बेटी ने आदेश को चुनौती दी, जिसमें अनुकंपा के आधार पर उचित मूल्य की दुकान के डीलर के रूप में नियुक्ति के उसके दावे को खारिज कर दिया गया था।

इस परिप्रेक्ष्य में शीर्ष अदालत ने याद दिलाया है कि विवाह न तो बेटी और माता-पिता के बीच बंधन को समाप्त करता है और न ही आश्रित नहीं होने का वैध आधार प्रदान करता है। दो मत नहीं कि परिवार में बेटे-बेटियों के समान अधिकार हैं। इसे स्वीकार करना होगा और बेटियों के अधिकारों का हमें विशेष ध्यान रखना होगा। अदालत का यह कहना उचित है कि निर्भरता एक तथ्यात्मक प्रश्न है। इसका निर्णायक निर्धारण नहीं किया जा सकता।

निस्संदेह परिवार की परिभाषा में वैवाहिक स्थिति से ऊपर उठकर परस्पर निर्भरता को भी समझने की जरूरत है। इसे इस संदर्भ में भी देखना चाहिए कि जब एक विवाहित पुत्र परिवार का हिस्सा होता है, तो विवाहित बेटी से किस आधार पर भेदभाव किया जा सकता है? शीर्ष न्यायालय ने इसी असमानता को दूर करने का संदेश दिया है। इससे बेटियों के अधिकारों की सुरक्षा एक बार और सुनिश्चित हुई है।

# विमर्श

# फिर से ज्ञान का केंद्र बने भोजशाला

धार की परमारवंशकालीन भोजशाला पर आए इंदौर हाई कोर्ट के निर्णय ने गौरवशाली मालवा संस्कृति के ख्यातिप्राप्त राजा भोज की सांस्कृतिक विरासत और उपलब्धियों को याद दिलाने का भी काम किया है। धारा नगरी में विद्वता का सम्मान, कला का उत्कर्ष और संस्कृति का वैभव था। राजा भोज ने जब धारा नगरी को अपनी राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित किया तो उसे केवल शासन का केंद्र नहीं, बल्कि ज्ञान-परंपरा, संस्कृति, पारस्परिक सौहार्द का भव्य नगर बना दिया।

यहां निर्मित भव्य महल, देवालय और शिक्षा केंद्र भारत की समृद्ध सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। इनमें मां सरस्वती का मंदिर सर्वप्रमुख है। सरस्वती मंदिर के निकट एक विजय-स्तंभ स्थापित कराया गया था। भोपाल के दक्षिण-पूर्व में राजा भोज ने 250 वर्ग मील लंबी भोज सरोवर नामक झील का निर्माण करवाया। चित्तौड़ में त्रिभुवन नारायण मंदिर बनवाया, मेवाड़ के नागोद क्षेत्र में भूदान किया। 1034 में सरस्वती मंदिर परिसर में उन्होंने एक संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना कराई, जिसे आज भोजशाला के नाम से जाना जाता है। यह संस्थान नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय की समृद्ध परंपरा के समकक्ष था और लगभग 271 वर्षों तक यह संस्थान विश्वस्तरीय शिक्षा केंद्र के रूप में बहुत प्रतिष्ठित बना रहा।

यह उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश सरकार ने भोजशाला परिसर को 'सरस्वती लोक' और एक भव्य शोध संस्थान के रूप में विकसित करने का फैसला किया है। इस



परियोजना के तहत भोजशाला परिसर में 'राजा भोज शोध संस्थान' स्थापित किया जाएगा, जो राजा भोज की ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने का कार्य करेगा। उचित यह होगा कि भोजशाला में अंतरराष्ट्रीय महत्व का ऐसा शैक्षिक संस्थान बने, जो प्राच्य विद्या के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरे। इसे इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि सम्राट भोज केवल प्रतापी राजा नहीं, बल्कि विद्या, कला, साहित्य और स्थापत्य के महान संरक्षक थे। उनकी राजसभा में विभिन्न कलाओं में निष्णात पांच सौ विद्वानों को आश्रय प्राप्त था। राजा भोज ने धर्म, संस्कृति, खगोल विद्या, वास्तुकला, ज्योतिष, व्याकरण, कोश रचना, काव्य और आयुर्वेद-औषधि जैसे विभिन्न विषयों पर 84 ग्रंथों की रचना की। राजा भोज की काव्यात्मक प्रतिभा भी उच्चकोटि की थी।

इतिहास के पन्नों को पलटने पर ज्ञात होता है कि राजा भोज वीरता और विद्वता के अद्भुत संगम थे। वे रणभूमि में पराक्रमी सम्राट ही नहीं थे, बल्कि भारतीय ज्ञान-परंपरा, संस्कृति और विद्वता के महान संरक्षक थे। उनके शासनकाल को भारतीय इतिहास में स्वर्णयुग के रूप में याद किया जाता है। संस्कृत के प्रतिष्ठित विद्वान और प्रमुख इतिहासकार बल्लाल ने अपने ग्रंथ 'भोज-प्रबंध' तथा जैन आचार्य-कवि धनपाल ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ 'तिलकमंजरी' में उन्हें 'कविराज' की उपाधि से विभूषित किया। पुरातत्वविदों को भोज शासनकाल की ऐतिहासिक जानकारी देने वाले आठ अभिलेख (1011 से 1046 ई.तक के) प्राप्त हुए हैं। इनमें प्रमुख है उदयपुर-प्रशस्ति अभिलेख। इसमें उनके सफल सैन्य-अभियानों एवं तुर्कों और हूणों के विरुद्ध विजय प्राप्त करने का उल्लेख मिलता है। उदयपुर प्रशस्ति के साथ-साथ मेरुतुंग कृत 'प्रबंधचिंतामणि' से पता चलता है कि राजा भोज ने अपने समकालीन अनेक शक्तिशाली राज्यों को पराजित कर उदयाचल से अस्ताचल तक शासन किया। इस ग्रंथ में राजा भोज की विद्वता, दानशीलता और उनके द्वारा धारा नगरी में बनवाए गए 104 मंदिरों का उल्लेख मिलता है। वसंत पंचमी के दिन यहां मां वाग्देवी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। वर्तमान में वाग्देवी की प्रतिमा लंदन के एक म्यूजियम में रखी हुई है। आशा है कि हाई कोर्ट के फैसले के बाद इस प्रतिमा को लंदन से वापस लाने के प्रयास किए जाएंगे और वे सफल भी होंगे।

समकालीन इतिहासकारों और विद्वानों ने राजा भोज को केवल प्रजावत्सल सम्राट ही नहीं, बल्कि श्रेष्ठतम साहित्यकार, कवि-सम्राट और विद्यानुरागी नरेश के रूप में वर्णित किया था। 1055 में जब राजा का देहांत हुआ तो समकालीन विद्वानों ने लिखा, 'आज राजा भोज के स्वर्ग सिधार जाने से धारा नगरी निराधार हो गई है, ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती निराश्रित हो गई हैं और समस्त विद्वतजन आहत हो गए हैं।'

जब हम एक इंसान के रूप में इस संसार में आते हैं, तो यह हमारे लिए प्रभु के प्रेम को अनुभव करने का अवसर होता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक


# लपटों से नहीं, लापरवाही से जलता शहर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस साल आग लगने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। इन हादसों से बार-बार महानगर के बुनियादी ढांचे, विद्युत प्रणालियों और सुरक्षा नियमों में खामियां सामने आती हैं।

ताजा मामला दिल्ली के मालवीय नगर इलाके के एक होटल में लगी भीषण आग का है, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले विवेक विहार में लगी आग में नौ लोगों की जान चली गई थी। इस तरह की घटनाओं ने अवैध निर्माण, प्रशासनिक ढिलाई और कानूनों की अवहेलना की बढ़ती परिपाटी के खतरनाक गठजोड़ को उजागर किया। अग्नि सुरक्षा तंत्र और प्रशासनिक ढांचा कागजों तक सीमित हैं।

मालवीय नगर के जिस होटल में आग लगी, वहां सरकार ने छह कमरों की इजाजत दी थी और 25 कमरे चलाए जा रहे थे। नियमों का खुला उल्लंघन हो रहा था। सवाल यह है कि कानून एवं प्रवर्तन एजेंसियां क्या कर रही थीं?

दिल्ली के शहरी विस्तार ने एक विरोधाभास पैदा कर दिया है। यहां प्रशासन विकेंद्रित है। कई एजेंसियों—दिल्ली दमकल सेवा, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण, राज्य सरकार आदि—के बीच कामकाज बंटा हुआ है। जब कोई हादसा होता है, तो एक विभाग दूसरे पर



आरोप मढ़ कर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। प्रशासनिक गतिरोध के कारण जवाबदेही शून्य हो जाती है।

संकरी गलियां, अनधिकृत निर्माण, एक ही प्रवेश एवं निकास द्वार, और अग्नि अनापत्ति प्रमाणपत्र के बिना काम चलाना आम बात है। सख्त कानूनों के बावजूद, जमीनी स्तर पर भवन निर्माताओं और अवैध संचालकों में नियमों के पालन का कोई डर नहीं है। कई इमारतें और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं, जो अवैध होती हैं, उनमें अक्सर अग्नि सुरक्षा नियम का ध्यान नहीं रखा जाता। अग्नि सुरक्षा को दरकिनार किया जाना भी गंभीर चिंता का विषय है। इस तरह के हादसे प्रशासनिक और नागरिक लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण है। सवाल उठता है कि अनियोजित विस्तार की अंधी दौड़ में जान-माल से समझौता कब तक होता रहेगा?

नगर निकायों से संबंधित नियम शहरी सुरक्षा की रीढ़ होते हैं। आपातकालीन निकास, विद्युत भार क्षमता, निर्धारित दूरी और अग्नि सुरक्षा मार्गों और भवन निर्माण से संबंधित मानदंड दशकों के अनुभव के आधार पर तैयार किए गए हैं। इनका उल्लंघन इमारतों को मौत के जाल में बदल देता है। सुविधा, प्रतिष्ठा या लाभ की लालसा में कानूनों को दरकिनार करने की प्रवृत्ति हादसों को निमंत्रण देती है।

कायदे से नियमों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। इन्हें ताक पर रखकर इमारत बनाने वालों और रिश्वत लेकर उन्हें मंजूरी देने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है। नगर निकायों को नियमों के अनुपालन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाना चाहिए।

शहरी आवास के बदलते स्वरूप भी चिंताजनक हैं। शहर आधुनिक विलासिता तो चाहता है, लेकिन अक्सर सुरक्षित जीवन के मूलभूत सिद्धांतों की उपेक्षा करता है। एक आधुनिक शहर वह नहीं है, जिसमें ऊंची इमारतें, विलासिता, अनाप-शनाप कमाई हो, बल्कि वह है जहां मानव जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

# बिहार में यहां मिला दुनिया का सबसे पुराना बरगद

## जरा हट के

अपनी मिठास, स्वाद और लोकप्रियता के कारण आम को फलों का राजा कहा जाता है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि फलों की दुनिया में रानी का दर्जा किस फल को मिला है? बहुत कम लोग इस सवाल का सही जवाब जानते हैं.

दरअसल, फलों की रानी के नाम से मशहूर फल मैंगोस्टीन है. दिखने में यह फल बाहर से गहरे बैंगनी रंग का होता है, जबकि अंदर इसका गूदा सफेद और बेहद मुलायम होता है. अपने अनोखे स्वाद और पोषण से भरपूर गुणों की वजह से मैंगोस्टीन ने दुनिया भर में खास पहचान बनाई है. यही कारण है कि इसे क्वीन ऑफ फ्रूट्स यानी फलों की रानी कहा जाता है.

विशेषज्ञों के अनुसार, मैंगोस्टीन का स्वाद मीठे और हल्के खट्टेपन का शानदार मिश्रण होता है. इसे खाने वाले लोग अक्सर इसके स्वाद की तुलना कई फलों के मिश्रण से



करते हैं. यही खास स्वाद इसे अन्य फलों से अलग बनाता है. कई देशों में यह फल काफी लोकप्रिय है और प्रीमियम फलों की श्रेणी में गिना जाता है.

सिर्फ स्वाद ही नहीं, मैंगोस्टीन सेहत के लिहाज से भी बेहद फायदेमंद माना जाता है. इसमें कैलोरी और वसा की मात्रा कम होती है, जबकि कई जरूरी विटामिन और खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं. यह विटामिन C, विटामिन E और विभिन्न B विटामिन का अच्छा स्रोत माना जाता है. इसके अलावा इसमें पोटैशियम, मैग्नीशियम और कॉपर जैसे महत्वपूर्ण खनिज भी मौजूद होते हैं, जो शरीर के बेहतर कार्यों में मदद करते हैं.

मैंगोस्टीन में डाइटरी फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में सहायक होता है. इसके साथ ही इसमें ज़ैंथोन नामक प्राकृतिक यौगिक मौजूद होते हैं, जिन्हें शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट माना जाता है. यही वजह है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी इस फल को पोषण से भरपूर विकल्प मानते हैं.

आज भले ही आम फलों का राजा कहलाता हो, लेकिन मैंगोस्टीन ने अपने अनूठे स्वाद, पौष्टिक गुणों और खास पहचान के दम पर फलों की रानी का ताज हासिल किया है. यही कारण है कि यह फल दुनियाभर के फल प्रेमियों के बीच विशेष लोकप्रियता रखता है.




# मट्ठे वाली अरबी

### सामग्री

- अरबीः 250 ग्राम
- दही या मट्ठाः 2 कप
- सरसों का तेल या देसी घीः 2 बड़े चम्मच
- अजवाइनः 1 छोटा चम्मच
- हींगः 1 चुटकी
- हल्दी पाउडरः आधा छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडरः आधा छोटा चम्मच (स्वादानुसार)
- धनिया पाउडरः 1 छोटा चम्मच
- हरी मिर्चः 2
- नमकः स्वादानुसार
- हरा धनियाः सजावट के लिए बारीक कटा हुआ

### विधि

सबसे पहले उबली हुई अरबी को छीलकर अपने मनपसंद आकार में काट लें। एक बर्तन में दही लें और उसमें थोड़ा पानी मिलाकर उसे मथानी से अच्छी तरह फेंट लें ताकि एक चिकना मट्ठा तैयार हो जाए। अब एक



कड़ाही में तेल या घी डालकर गैस पर गरम करें। तेल गरम हो जाए, तो उसमें अजवाइन और हींग डाल दें। बारीक कटी हरी मिर्च डालकर हल्का सा भून लें। कड़ाही में हल्दी, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालें। इसे बस कुछ सेकंड तक चलाएं ताकि मसाले जले नहीं।

अब इन मसालों में कटी हुई उबली अरबी डाल दें। इसे 2 मिनट तक अच्छे से मिलाते हुए भून लें।

अब गैस की आंच धीमी ही रखें और कड़ाही में धीरे-धीरे फेंटा हुआ मट्ठा डालें। मट्ठा डालते ही कलछी से सब्जी को लगातार चलाते रहें जब तक कि ग्रेवी में एक अच्छा उबाल न आ जाए। अगर आप चलाना बंद कर देंगे, तो मट्ठा फट सकता है। जब सब्जी में अच्छे से उबाल आ जाए, तब उसमें स्वादानुसार नमक डालें। अब गैस धीमी कर दें और इसे 5 से 7 मिनट तक आराम से पकने दें ताकि सारे फ्लेवर आपस में मिल जाएं।

जब ग्रेवी आपकी पसंद के अनुसार गाढ़ी हो जाए और बढ़िया खुशबू आने लगे, तो गैस बंद कर दें। ऊपर से ताजा कटा हुआ हरा धनिया डालकर इसे सजाएं।

# क्या बेटों को सिखाए ये 5 काम?

अमूमन हर घर में बचपन से ही बेटियों को 'परफेक्ट होममेकर' बनाने की ट्रेनिंग शुरू हो जाती है. गोल रोटी बनाने से लेकर घर को चमका कर रखने तक, बेटियों को सब सिखाया जाता है. तर्क होता है, "अगले घर जाना है, सास-ससुर क्या कहेंगे!" लेकिन क्या हमने कभी सोचा है कि जब आपके घर किसी की बेटी ब्याहकर आएगी वह आपके लड़के और आपके परवरिश के बारे में क्या सोचेगी?

आज जमाना बदल चुका है. बेटियां फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं, कॉर्पोरेट लीडर बन रही हैं और घर की आर्थिक रीढ़ बन रही हैं. जब जिम्मेदारियां बराबरी की हैं, तो काम का बंटवारा पुराना क्यों हो? अगर आज आपने अपने लाडले को आत्मनिर्भर नहीं बनाया, तो यकीन मानिए, भविष्य में उसे अपनी लाइफ पार्टनर से कड़वे ताने सुनने ही पड़ेंगे. अगर आप नहीं चाहते कि आपका बेटा कल को एक लाचार पति न बने, तो उसे बचपन से ही ये 5 जरूरी काम जरूर सिखाएं:

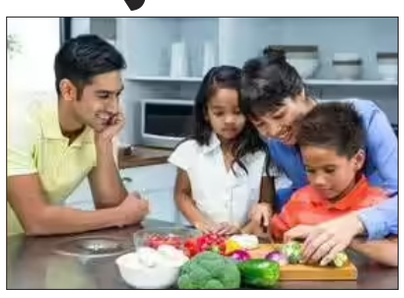

### कुकिंगः सिर्फ शौक नहीं, सर्वाइवल स्किल है

अक्सर लड़कों के किचन में जाने पर मां कह देती है, "तू रहने दे, मैं बना देती हूं." यह लाड़-प्यार आगे चलकर उसके लिए मुसीबत बनता है. खाना बनाना कोई 'जेंडर-स्पेसिफिक' काम नहीं है, यह जीवित रहने के लिए एक बुनियादी जरूरत (Survival Skill) है. अपने बेटे को कम से कम बेसिक खाना- जैसे दाल-चावल, सब्जी, रोटी और चाय-नाश्ता बनाना जरूर सिखाएं. कल को जब पत्नी बीमार होगी या वर्किंग ऑवर्स लंबे होंगे, तो आपका बेटा



भूखा नहीं मरेगा और न ही अपनी पत्नी पर बोझ बनेगा.

### कपड़े धोना और आयरन करनाः

कमरे के फर्श पर गंदे मोजे फेंकना और गीला तौलिया बेड पर छोड़ देना- कई घरों में लड़कों की यह आदत शान समझी जाती है. लेकिन शादी के बाद यही आदतें रोज के झगड़ों की वजह बनती हैं. बेटों को सिखाएं कि वे अपने कपड़े खुद वॉशिंग मशीन में डालें, सुखाएं और अपनी अलमारी को सहेज कर रखें. जब वह खुद अपने कपड़े आयरन करना सीखेगा, तो उसे समझ आएगा कि किसी के पीछे-पीछे सफाई करने में कितनी मेहनत लगती है.

### क्लीनिंग और ऑर्गेनाइजेशनः

जिस घर में बेटा रहता है, उसे साफ रखने की जिम्मेदारी उसकी भी उतनी ही है जितनी घर की महिलाओं की. झाड़ू-पोछा करना, बर्तन समेटना या डस्टिंग करना कोई ऐसा काम नहीं है जिससे लड़के की मर्दानगी कम हो जाए. उसे सिखाएं कि खाना खाने के बाद अपनी जूठी प्लेट खुद सिंक में रखे. जो बेटा आज मां की मदद करेगा, वही कल एक समझदार और मददगार पति बनेगा.

### इमोशनल इंटेलिजेंस और सम्मान

लड़कों को बचपन से सिखाया जाता है, "लड़कियों की तरह रो मत." नतीजा? वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते और शादी के बाद पार्टनर की भावनाओं को भी नहीं समझ पाते. अपने बेटे को रोने की आजादी दें, उसे दूसरों की 'ना' का सम्मान करना सिखाएं. उसे बताएं कि घर की महिलाओं (मां, बहन या पत्नी) पर चिल्लाना या हाथ उठाना ताकत नहीं, बल्कि कमजोरी की निशानी है.

### सुई-धागे का काम और बेसिक होम रिपेयर

बटन टूट जाने पर मां या पत्नी के सामने खड़े हो जाना समझदारी नहीं है. छोटे-मोटे काम जैसे- सुई-धागा चलाना, फटे कपड़े को टांकना, अपने जूते पॉलिश करना, या बेसिक सामान अरेंज करना हर लड़के को आना चाहिए. यह चीजें उसे आत्मनिर्भर बनाती हैं.

## आज का राशिफल

**मेष** : नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें। स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी। पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा।

**वृषभ** : लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। मशक्कत करने से लाभ होगा। चिंता होगी। शत्रु पराजित होंगे। लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

**मिथुन** : मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे। विवेक से कार्य बनेंगे। पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना। वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग।

**कर्क** : आज देव दर्शन के योग बनेंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृ पक्ष की चिंता दूर होगी। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना। मित्र मिलेंगे। विवाद न करें। यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी।

**सिंह** : आज आपका स्वास्थ्य ठीक होगा। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा। अनजाना भय सताएगा। राज्य से लाभ। शत्रु शांत होंगे।

**कन्या** : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना। कष्ट की संभावना। धनहानि। कष्ट-पीड़ा। शारीरिक पीड़ा होगी। बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

**तुला** : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। कुछ लाभ की संभावना। चिंताएं कुछ कम होंगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी।

**वृश्चिक** : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। कुसंग से हानि। धनागम सुखद रहेगा। प्रेमिका मिलेगी। कुछ आय होगी। माता को कष्ट रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें।

**धनु** : व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दुःसमाचार प्राप्त होंगे। हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा। भयकारक दिन रहेगा। भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है।

**मकर** : यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट। कलहकारक दिन रहेगा। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे।

**कुंभ** : आय में वृद्धि होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना। चिंताएं जन्म लेंगी। स्त्री पीड़ा, कुछ लाभ की आशा करें।

**मीन** : आज अचानक अच्छा धन लाभ होगा। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी। शत्रु दबे रहेंगे। कलह-अपमान से बचें। संभावित यात्रा होगी। सावधानी बरतना होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

# फ्रिज में रखते ही भूरी और सूखी हो जाती है लीची?

### इन 4 ट्रिक्स से हफ्तों तक रखें ताजा!

गर्मियों के मौसम में हर किसी को लीची का मीठा और रसीला स्वाद बहुत पसंद आता है. हालांकि, लोग अक्सर शिकायत करते हैं कि फ्रिज में रखने के कुछ ही दिनों बाद लीची का छिलका भूरा पड़ने लगता है और फल सूखा-सूखा सा लगने लगता है. कई बार तो लोग यह सोचकर उन्हें फेंक भी देते हैं कि वे खराब हो गए हैं. लेकिन, अगर सही तरीके से स्टोर किया जाए, तो लीची को लंबे समय तक ताज़ा रखा जा सकता है. आइए ऐसे 4 आसान तरीके जानते हैं जिनकी मदद से आप लीची की ताज़गी और स्वाद को लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं...

### लीची को सूखा रखें, धोएं नहीं

बहुत से लोग बाज़ार से लीची घर लाने के तुरंत बाद उन्हें धो लेते हैं और फिर फ्रिज में रख देते हैं. यह एक बड़ी गलती हो सकती है. ज़्यादा नमी से फफूंदी लगने और खराब



होने का खतरा बढ़ जाता है. लीची को बिना धोए ही स्टोर करें, और उन्हें तभी धोएं जब आप उन्हें खाने के लिए तैयार हों.

### पेपर टॉवल का इस्तेमाल करें

लीची को स्टोर करने से पहले, उन्हें धीरे से एक साफ पेपर टॉवल या टिश्यू पेपर में लपेट दें. इससे अतिरिक्त नमी सोख ली जाती है, जिससे फल लंबे समय तक ताज़ा बना रहता है. यह तरीका लीची के छिलकों को समय से पहले सूखने से भी बचाता है.

### हवाबंद डिब्बे या ज़िप बैग में रखें

लीची को खुला छोड़ने के बजाय, उन्हें किसी हवाबंद डिब्बे या ज़िप बैग में रखना बेहतर होता है. ऐसा करने से फ्रिज की ठंडी और सूखी हवा सीधे फल तक नहीं पहुंच पाती, जिससे फल की नमी बनी रहती है और उसका स्वाद भी लंबे समय तक बरकरार रहता है.

### सही तापमान पर रखें

लीची को फ्रिज के वेजिटेबल क्रिस्पर (सब्जी वाले हिस्से) या फलों के लिए बने खास कंपार्टमेंट में रखना सबसे अच्छा माना जाता है. उन्हें बहुत ज़्यादा ठंडे हिस्से में रखने से फल की गुणवत्ता खराब हो सकती है. उन्हें सही तापमान पर रखने से यह सुनिश्चित होता है कि लीची कई दिनों तक ताज़ी बनी रहे.

### क्या भूरा छिलका मतलब खराब लीची?

लीची के छिलके का भूरा पड़ना अक्सर ऑक्सीडेशन के कारण होता है. अगर अंदर का गूदा सफ़ेद, चमकदार और ताज़ा बना रहता है, तो फल खाने के लिए सुरक्षित हो सकता है. हालांकि अगर उससे कोई अप्रिय गंध आने लगे या गूदा नरम और चिपचिपा हो जाए, तो उसे नहीं खाना चाहिए.

# अंजीर को कहते हैं सूपरफूड

अंजीर एक ऐसा फल है जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है. यह ताजा और सूखे दोनों रूपों में खाया जाता है. अंजीर में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं. विशेषज्ञों के अनुसार नियमित और संतुलित मात्रा में अंजीर का सेवन करने से शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं.

वैद्य विष्णुदत्त प्रजापति बताते हैं कि अंजीर में फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. यही कारण है कि इसे पोषण से भरपूर फल माना जाता है ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग लंबे समय से अंजीर का उपयोग स्वास्थ्य लाभ के लिए करते आ रहे हैं.

**पाचन तंत्र में फायदेमंदः** पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में अंजीर काफी मददगार माना जाता है. इसमें मौजूद फाइबर कब्ज की समस्या को कम करने में सहायक होता है. जो लोग पेट संबंधी समस्याओं से परेशान रहते हैं, उनके लिए अंजीर का सेवन लाभकारी हो सकता है. सुबह खाली पेट पानी में भिगोया हुआ अंजीर खाने से पाचन बेहतर रखने में मदद मिलती है.

**हड्डियों करता है मजबूरः** वैद्य विष्णुदत्त प्रजापति ने बताया कि अंजीर हड्डियों की मजबूती के लिए भी अच्छा माना जाता है. इसमें कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं. बढ़ती उम्र में हड्डियों से जुड़ी समस्याओं से बचाव के लिए भी अंजीर को उपयोगी माना जाता है.

**दिल के लिए है फायदेमंदः** दिल की सेहत के लिए भी अंजीर लाभदायक माना जाता है. इसमें मौजूद पोटैशियम रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है. साथ ही इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट शरीर में हानिकारक तत्वों के प्रभाव को कम करने का काम करते हैं, जिससे हृदय स्वस्थ रहने में सहायता मिलती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

## खबरें गांव की...

### सौतेले बाप ने 4 साल की बेटी को मारकर खेत में दफनाया, महीने बाद खुला खौफनाक राज

**शाहजहांपुर.** यूपी के शाहजहांपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां सौतेले बाप ने चार साल की बेटी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। फिर शव को खेत में दफना दिया। इस मामले में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मुकदमा दर्ज करके आरोपी पिता समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक एक माह पूर्व दफनाया गया बच्ची का शव गुरुवार को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) सौरभ दीक्षित के मुताबिक रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने उनसे मिलकर शिकायत की थी कि 10 साल पहले अपने पूर्व पति से तलाक के बाद उसने चार माह पहले अखिलेश नामक व्यक्ति से शादी की थी। अखिलेश पहले पति से हुई उसकी चार साल की बेटी प्रिया को बहुत मारता-पीटता था। महिला का यह भी आरोप है कि अखिलेश उस पर दूसरे मर्दों से संबंध बनाने का दबाव भी डालता था।

### होटल मालिक के बेटे की हत्या में शामिल कमलेश चौधरी एनकाउंटर में ढेर

**गाजीपुर.** उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में होटल कारोबारी आलोक राय के बेटे विनीत राय की सनसनीखेज हत्या में शामिल एक लाख के इनामी कमलेश चौधरी को पुलिस ने एनकाउंटरमें मार गिराया है। बुधवार की देर रात शहर कोतवाली क्षेत्र के पवहारी बाबा आश्रम कुर्था के पास कमलेश चौधरी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से कई राउंड फायरिंग हुईं। इसमे पुलिस की गोली गोली लगने से कमलेश घायल हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहा डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बदमाश की गोली लगने से स्वाट प्रभारी रोहित मिश्रा भी घायल हो गए हैं। उन्हे मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। कमलेश के कब्जे से एक 32 बोर की पिस्टल, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद हुई है।उसके ऊपर हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, मारपीट, धमकी और आर्म्स एक्ट सहित कुल सात मामले दर्ज थे।

### अगवा कर स्कार्पियो में युवती का कत्ल, 417 किलोमीटर तक लाश के साथ किया सफर

**कानपुर.** यूपी के कानपुर के बर्रा से अगवा उन्नाव की युवती की नर्सिंगहोम संचालक ने स्कार्पियो के भीतर गला दबाकर हत्या कर दी थी। 21 मई को वारदात के बाद उसने अपने भतीजे और सिक्योरिटी गार्ड की मदद से शव को 417 किलोमीटर दूर बुलंदशहर के जहांगीराबाद में फिंकवा दिया। उधर, 23 मई को बरामद अज्ञात शव की शिनाख्त न होने पर बुलंदशहर पुलिस ने 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम कराकर उसका अंतिम संस्कार करा दिया। मामले का खुलासा होने पर कानपुर पुलिस ने बुलंदशहर पुलिस से संपर्क किया और युवती की मां व भाई को वहां ले जाकर शव की शिनाख्त कराई। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि युवती ने 19 मई को उन्नाव सदर कोतवाली में नर्सिंगहोम संचालक के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और शारीरिक शोषण की शिकायत की थी। इसके बाद संचालक ने साजिश रचकर भतीजे विवेक पटेल से युवती को फोन कराया। 21 मई को दोपहर 1:15 बजे युवती घर से निकली और श्याम नगर बाईपास पहुंची। वहां स्कार्पियो में मौजूद विवेक और नर्सिंगहोम संचालक देवकांत उत्तम ने उसे बात करने के बहाने गाड़ी में बैठाया। देवकांत ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया।

# मानसून केरलम पहुंचा

- इस बार 3 दिन लेट
- 7 दिन भारी बारिश का अनुमान
- MP-राजस्थान समेत 24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

**नई दिल्ली.** जिसका लोग लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, आखिरकार वह समय आ ही गया। भारत में केरल के जरिए मॉनसून की एंट्री हो गई है। इसकी वजह से अगले सात दिनों तक केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, उत्तर पूर्वी भारत में अगले पांच से छह दिनों तक भारी से बहुत भारी बरसात का अलर्ट है। इसके अलावा, उत्तर पश्चिम भारत, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों और दक्षिण भारत में अगले दो से तीन दिनों के दौरान तेज आंधी के साथ तूफान आएगा।

मौसम विभाग ने मॉनसून आने की खुशखबरी देते हुए कहा, "दक्षिण पश्चिम मॉनसून आज चार जून को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के बचे भागों, पश्चिम मध्य और पूर्वी मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों, संपूर्ण लक्षद्वीप, द्वीप समूह, केरल, माहे, कर्नाटक, तमिलनाडु के कुछ भागों, केमोरिन क्षेत्र के बचे हिस्सों, दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी और दक्षिण पश्चिम, पश्चिम मध्य, पूर्व मध्य और उत्तर पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों में आगे बढ़ गया है। अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण पश्चिम मॉनसून के मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों, पूरे गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों, कर्नाटक के कुछ हिस्सों, तमिलनाडु के बचे हिस्सों, दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी, पश्चिम मध्य, पूर्वी मध्य और उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों व उत्तर पूर्वी राज्यों के कुछ हिस्सों में पहुंच सकता है।"

### पूर्वी भारत का मौसम का हाल

मौसम विभाग के अनुसार, 6-7 जून के दौरान असम, मेघालय में हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ तूफान, मध्यम बिजली गिरने और तेज हवाओं के चलने का अनुमान है। पांच से सात जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भी यही संभावना है। चार से पांच जून के दौरान असम, मेघालय में भी तेज हवाएं चलने वाली हैं। 5-10 जून को अरुणाचल प्रदेश, 4-5 जून और 10 जून को असम, मेघालय में, 5-10 जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होगी। चार जून को और छह से नौ जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, छह से नौ जून के दौरान असम, मेघालय में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश होगी।

# दिल्ली होटल आग, मालिक 4 दिन पुलिस रिमांड पर

**नई दिल्ली.** दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया।

उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा।

बुधवार को लगी इस भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था।

### होटल मालिक बोला- मैं नहीं दूसरे लोग संभालते थे काम

गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज ने बताया कि वह खुद होटल की निगरानी नहीं करता था। उसने होटल के मैनेजमेंट, बिलिंग और अकाउंट्स का काम किसी और व्यक्ति को दिया था। उसने यह भी कहा कि होटल में कमरे बड़े करने और अन्य बदलावों की सलाह भी किसी अन्य व्यक्ति ने दी थी।

बजाज ने दावा किया कि सलाह देने वाले व्यक्ति ने उससे कहा था- होटल में ये सारे मॉडिफिकेशन नॉर्मल हैं और दिल्ली में सब चलता है।

# मैं भगोड़ा नहीं, दुनिया घूम रहा हूं -ललित मोदी

- सरकार के हाथ बहुत लंबे, उससे पंगा नहीं ले सकते
- मेरे खिलाफ कोई केस नहीं

**नई दिल्ली.** IPL के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने कहा कि मेरे लिए भगोड़े शब्द का इस्तेमाल मीडिया की तरफ से किया गया। मेरे खिलाफ आज तक कोई केस नहीं है। न्यूज एजेंसी ANI को गुरुवार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि मैं बिल्कुल भी नहीं भाग रहा हूं। मैं पूरी दुनिया में घूम रहा हूं। अगर मैं भाग रहा होता, तो आप मुझे कहीं न कहीं पकड़ ही लेते। भारत सरकार की पहुंच बहुत लंबी है। आप भारत सरकार से पंगा नहीं ले सकते। और मेरा ऐसा कोई इरादा भी नहीं है।

IPL को लेकर उन्होंने कहा कि मैं इसको लेकर हमेशा से पैशनेट रहा। आखिरकार IPL मेरे बच्चे जैसा है। मैं भले ही उससे जुड़ा हूं या नहीं, मुझे फर्क नहीं पड़ता। मेरे पिता अच्छे बिजनेसमैन थे, लेकिन आज मेरे परिवार को ललित मोदी की वजह से जाना जाता है।

# खान सर ने खुद फायरिंग करवाई, ज्ञान बिंदु का दावा

- कम फीस वाले दावे को भी दी खुली चुनौती

**पटना.** पटना में खान सर के कोचिंग पर हमले के बाद से इस मामले में नए-नए ट्विस्ट सामने आ रहे हैं। जिस ज्ञान बिंदु जी.एस. एकेडमी पर खान सर ने हमले का आरोप लगाया था उस ज्ञान बिंदु प्रबंधन ने उलटे खान सर को कई बिंदुओं पर घेरा है। ज्ञान बिंदु प्रबंधन ने दावा किया है कि घटना के दिन यानी 2 जून को खुद खान सर ने ही फायरिंग करवाई थी। इतना ही नहीं ज्ञान बिंदु ने खान सर के उस दावे को भी अब चैलेंज कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि छात्रों से कम फीस लेने की वजह से कुछ कोचिंग सेंटर उनसे नाराज थे और उन्हें धमकियां मिल रही थीं। इतना ही नहीं ज्ञान बिंदु की तरफ से एक वीडियो भी शेयर किया गया है जिसमें कथित तौर से खान सर के दो बॉडीगार्ड फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के आधार पर जांच के बाद पुलिस ने खान सर के दो अंगरक्षकों को हिरासत में भी ले लिया है।

ज्ञान बिंदु प्रबंधन ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी बातें रखी हैं। प्रबंधन की तरफ से प्रबंधन में शामिल सदस्यों ने कहा कि फायरिंग हुआ है या नहीं यह तो सभी को पता चल ही गया है। फायरिंग का वीडियो वायरल हुआ है और फायरिंग कौन करवाया इसका भी पता चल गया है। प्रबंधन के सदस्य ने मोबाइल में फायरिंग का वीडियो दिखाते हुए दावा किया कि खान सर ने खुद फायरिंग करवाई थी। प्रबंधन ने कहा कि यह वीडियो सोशल मीडिया पर सुबह से ही ट्रेंडिंग में है और पुलिसिया जांच में सबकुछ पता चल जाएगा।

प्रबंधन ने कहा कि हमपर इल्जाम लगाया गया कि हमने फायरिंग कराई थी लेकिन पुलिस की जांच में भी फायरिंग का साक्ष्य नहीं मिला है। प्रबंधन के सदस्य ने कहा कि वहां पर फायरिंग इसलिए करवाई गई क्योंकि कुछ लोग कोचिंग लाइन में पीछे चल रहे हैं और उन्हें माहौल बनाकर आगे आना है और माहौल बनाने के लिए ही फायरिंग करवाई गई। इसके लिए वो खुद गार्ड से फायरिंग करवा रहे हैं और रौशन आनंद के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। वो (खान सर) कह रहे हैं कि 10 राउंड फायरिंग मेरे सामने हुई है लेकिन अनुसंधान में पता चला कि फायरिंग तो हुई ही नहीं है।

# TCS के बाद विप्रो में महिला ने लगाया धर्मांतरण का आरोप

- पीड़ित बोली- कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने, मुस्लिम से संबंध बनाने को कहा
- शिकायत की तो इस्तीफा लिया

**पुणे.** पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। पीड़ित महिला ने कहा, अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया।

### महिला बोली- ऑफिस में इस्लाम अपनाने का दबाव दिया जाता था

पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उसकी एक महिला सहकर्मी कई बार उस पर इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध बनाने का दबाव डालती थी। उसका कहना है कि सहकर्मी बार-बार उसकी निजी जिंदगी में दखल देती थी और उसे हिंदू धर्म छोड़ने के लिए कहती थी। महिला के अनुसार, सहकर्मी कहती थी कि ऐसा करने से उसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी और उसे विदेश जाने के अवसर मिलेंगे।

### 10 महीने तक उत्पीड़न सहने का आरोप

महिला ने आरोप लगाया कि मामले की जानकारी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को भी दी गई थी, लेकिन उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बजाय कंपनी की ओम्बड्स कमेटी में उसके खिलाफ ही शिकायत दर्ज कर दी गई। वहीं, हिंजवडी पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

# मुजफ्फरपुर में हॉस्पिटल में आग, 5 की मौत

- कुछ मरीजों के गायब होने पर लोगों का हंगामा
- पुलिस बोली- दूसरे अस्पताल में हैं

**मुजफ्फरपुर.** बिहार के मुजफ्फरपुर में एक प्राइवेट अस्पताल के ICU में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। हादसा बुधवार रात करीब 3 बजे हुआ। आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद ICU में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी से फैली।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड अस्पताल पहुंची और आग पर काबू पाया। लोगों ने मौके से स्टाफ के गायब होने का आरोप लगाया। परिजन अपने मरीजों को स्ट्रैचर से बाहर ले जाते दिखे। ICU वार्ड 5वीं फ्लोर पर है, जिसकी वजह से रेस्क्यू में दिक्कत आई।

दमकलकर्मियों ने ICU और अस्पताल के दूसरे वार्डों में फंसे मरीजों को खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला। मृतकों की पहचान कर ली गई है। इसमें गीता देवी, चंचला वर्मा, 57 साल के उदय कुमार, 30 साल के शशांक कुमार और कृष्णनंदन सिंह शामिल हैं। वहीं, हादसे के बाद प्रसाद हॉस्पिटल से कई मरीज गायब बताए जा रहे हैं। इसे लेकर मरीज के परिजन हंगामा कर रहे हैं। उनकी मांग है कि मरीजों को वापस लाया जाए। हालांकि, पुलिस और प्रशासन का कहना है कि उनका दूसरे अस्पताल में इलाज चल रहा है। CM सम्राट चौधरी ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से हादसे पर सवाल किया गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। उनके साथ राज्यसभा सांसद संजय झा भी थे। दोनों आज दिल्ली के निकल गए। हालांकि एक घंटे बाद निशांत ने हादसे पर दुख जताया।

# ईरान का कुवैत-बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला

- US बोला- सभी हमले नाकाम;
- अमेरिका ने होर्मुज में ईरानी आइलैंड को निशाना बनाया

अमेरिका और ईरान के बीच अप्रैल में हुए युद्धविराम के बाद बीती रात सबसे बड़े सैन्य टकरावों में से एक देखने को मिला। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए, जिससे युद्धविराम और परमाणु वार्ता दोनों पर फिर से संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

तनाव तब शुरू हुआ जब अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप के एक ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहे बोत्सवाना के झंडे वाले एक तेल टैंकर पर हेलफायर मिसाइल से हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) का कहना है कि जहाज ने ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंध और नाकेबंदी का पालन नहीं किया था।

इसके जवाब में ईरान ने लाइबेरिया के झंडे वाले एक जहाज पर मिसाइलें दागने का दावा किया। हालांकि हालात तब ज्यादा गंभीर हो गए जब अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास केश्म द्वीप पर स्थित एक ईरानी सैन्य नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया।

इस हमले के बाद ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर मिसाइल और ड्रोन दागे। ईरान का कहना है कि उसने क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी एयरबेस, हेलीकॉप्टर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को निशाना बनाया। वहीं अमेरिका ने दावा किया कि उसके ठिकानों पर किए गए सभी हमले नाकाम रहे और ईरानी मिसाइलों व ड्रोन को या तो रास्ते में ही मार गिराया गया या वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके।

### अब हैदराबाद में लगी भीषण आग, कई दुकानें जलकर खाक

हैदराबाद के भीड़भाड़ वाले अमीरपेट इलाके में स्थित 'हेलमेट बाजार' में भीषण आग लग गई। गनीमत यह रही कि अग्निकांड में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कम से कम सात गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया और राहत-बचाव का काम शुरू कर दिया गया।

# क्या सूर्यकुमार यादव से टी-20 कप्तानी छिनेगी?

- 3 महीने पहले वर्ल्डकप जिताया था
- आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए जगह मिलनी मुश्किल

सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक उनकी टीम में जगह भी खतरे में है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे से पहले BCCI, टीम मैनेजमेंट और चयन समिति नया कप्तान बनाने पर विचार कर रही है। भारत की टीम इस महीने आयरलैंड में दो टी-20 मैच खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर 5 टी-20 मुकाबले होंगे। इसी साल 8 मार्च को अहमदाबाद में सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्डकप जीता था। इसके बावजूद बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2028 को लेकर यह फैसला लिया है। इस मामले में हेड कोच गंभीर से भी चर्चा की गई है।

IPL 2026 सीजन में सूर्यकुमार केवल 270 रन ही बना सके। इस दौरान उनका औसत 20.76 रहा। सूर्या ने इस सीजन दो अर्धशतक राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ ल ग ाय ा था।

### सूर्या ने बतौर कप्तान 42 टी-20 जीते

सूर्या की कप्तानी में भारत ने 52 टी-20 मैच खेले। इसमें 42 जीते , 8 हार और दो मैच नो रिजल्ट रहा। उनका जीत प्रतिशत 80.76% है। सूर्यकुमार की अगुआई में भारत ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप, 2025 एशिया कप अपने नाम किया था।

### सूर्या टी-20 में 4 शतक लगा चुके

सूर्यकुमार ने 113 मैचों में 3272 रन बनाए हैं। उनका औसत 36.35 और स्ट्राइक रेट 162.94 रहा है। सूर्यकुमार के नाम 4 शतक और 25 अर्धशतक दर्ज हैं। उनका बेस्ट स्कोर 117 रन है। सूर्या ने 297 चौके, 179 छक्के और 58 कैच भी लिए हैं।

# विदेशियों के लिए भारत में रहने के नियम बदले

- अब 180 दिन पूरे होने से पहले रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे
- ऑनलाइन अपील का भी ऑप्शन

**नई दिल्ली.** केंद्र सरकार ने विदेशी नागरिकों के भारत में रहने के नियमों में बदलाव किया है। गृह मंत्रालय ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (संशोधन) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी करके रजिस्ट्रेशन और अपील से जुड़े नियमों में बदलाव की जानकारी दी।

नए नियमों के मुताबिक विदेशी नागरिक अब भारत में उसके रहने के 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। साथ ही ऑनलाइन अपील का ऑप्शन भी कर सकेंगे।

पहले भारत में 180 दिन पूरे होने के बाद विदेशी नागरिकों को 14 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना होता था। सरकार ने यह भी कहा है कि तय समय निकलने के बाद रजिस्ट्रेशन सिर्फ विशेष परिस्थितियों में ही किया जाएगा।

### ऑनलाइन अपील का प्रावधान जोड़ा गया

पहली बार ऑनलाइन अपील की व्यवस्था जोड़ी गई है। किसी आदेश से प्रभावित व्यक्ति अब ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के आयुक्त के पास ऑनलाइन अपील कर सकेगा। आदेश मिलने के 30 दिन के भीतर अपील करनी होगी। आयुक्त को संबंधित पक्ष की सुनवाई के बाद फैसला देना होगा। 60 दिन के भीतर मामले का निपटारा करने की कोशिश करना होगा।

### बच्चों की नागरिकता से जुड़े नियम भी बदले

अगर माता-पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक है और बच्चे की भारतीय नागरिकता बनाए रखना चाहता है, तो बच्चे पर विदेशी नागरिकों के रजिस्ट्रेशन वाले नियम लागू नहीं होंगे।

वहीं, भारत में रह रहा कोई बच्चा किसी दूसरे देश की नागरिकता हासिल करता है, तो उसके माता-पिता को 30 दिन के भीतर इसकी जानकारी रजिस्ट्रेशन अधिकारी को देनी होगी। इसके अलावा कुछ मामलों में सूचना देने की समय-सीमा 24 घंटे तय की गई है।

गृह मंत्रालय ने ये बदलाव इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 की धारा 30 के तहत किए हैं। इसके लिए इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (संशोधन) नियम, 2026 जारी किए गए हैं।

# यूपी में सिपाही भर्ती परीक्षा में सॉल्वर बने तो संपत्ति कुर्क होगी, एक करोड़ का जुर्माना

- उम्रकैद की भी सजा

**लखनऊ.** यूपी में 32,679 आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 8, 9 एवं 10 जून को प्रदेश के सभी 75 जिलों के 1,183 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में संपन्न होगी। प्रथम पाली प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक आयोजित होगी। भर्ती परीक्षा के लिए कुल 28,86,797 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने चेतावनी दी है कि अगर परीक्षा में सॉल्वर बने तो संपत्ति कुर्क होगी।

उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम-2024 के प्रविधानों के तहत सजा दी जाएगी। साल्वर के पकड़े जाने पर पहली बार में अधिकतम सात वर्ष की सजा और 10 लाख रुपये का जुर्माना और दूसरी बार पकड़े जाने पर आजीवन कारावास और 50 लाख से एक करोड़ रुपये तक जुर्माने की सजा का प्रविधान है।

प्रदेश में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती के लिए होने वाली लिखित परीक्षा को मुख्य सचिव एसपी गोयल एवं पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा ने संयुक्त रूप से मंगलवार को समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई इस समीक्षा बैठक में सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था, गोपनीयता, प्रशासनिक तैयारियों एवं निगरानी तंत्र की विस्तृत समीक्षा की गई।

# यूपी में जमात को लेकर अलर्ट

**लखनऊ.** जमात को लेकर उत्तर प्रदेश में अलर्ट जारी किया गया है। जमात में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों, बाहरी संदिग्ध लोगों की आवाजाही, कट्टरपंथी विचारधारा का प्रसार और आतंकी कनेक्शन को लेकर यह अलर्ट जारी हुआ है। किसी भी जिले में गैर परंपरागत जमात को तुरंत बंद कराने का आदेश है। साथ ही पूर्व से होती आई जमात में आयोजक से लेकर इसमें शामिल होने वाले लोगों का 24 घंटे में सत्यापन कराने का आदेश भी दिया है।

हर जिले में पुलिस, एलआईयू और इंटेलिजेंस टीम को कार्रवाई के लिए लगाया है। जमात में आने वाले गैर राज्यों और गैर जिलों के लोगों का रिकार्ड लेकर संबंधित थानों से तुरंत सत्यापन कराया जाएगा। कोई संदिग्ध गतिविधि मिलने पर मुकदमे का आदेश दिया गया है।

एडीजी मेरठ जोन, भानु भास्कर ने कहा कि जमात का पूर्व में टेरर मॉड्यूल सामने आ चुका है। जमात की आड़ में आतंकी गतिविधियों का खुलासा भी हो चुकी है। सुरक्षा के मद्देनजर सख्ती बढ़ाई गई है। किसी भी गैर परंपरागत जमात को नहीं होने दिया जाएगा। आयोजन के लिए अनुमति लेनी होगी, साथ ही जमात में आने वाले लोगों की पूरी सूचना संबंधित थानों को पहले से देनी होगी और इसका सत्यापन तुरंत कराया जाएगा।

## संक्षेप...

### मैदान से हटे पवार, फाटक बने MLC

**ठाणे.** महाविकास अघाड़ी से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नगरसेवक अभिजीत पवार ने ऐन मौके पर अपना नाम वापस ले लिया. जिससे शिवसेना उम्मीदवार रविंद्र फाटक के निर्विरोध निर्वाचित होने का रास्ता साफ हो गया. ठाणे एवं पालघर जिले की महानगरपालिका ,नगरपरिषद सहित अन्य स्थानीय निकायों में शिवसेना -भाजपा एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महायुति के लगभग 790 सदस्य हैं. जबकि महाविकास अघाड़ी के पास कुल 130 नगरसेवक हैं.

# महापौर का नाला सफाई का दावा 100% खोखला

■ भिवंडी में नाला,गटर की अधूरी सफाई से नगरसेवक नाखुश

**भिवंडी.** भिवंडी शहर में नाला सफाई का काम 3 साल के शासन में हमेशा विवादों में रहा है.नगरसेवक चुने जाने के बाद अब लोगों की उम्मीदें बढ़ गई है. मई के आखिरी दो हफ्तों में शुरू हुई नाला सफाई पूरी नहीं हो पा रही है. प्रभाग समिति क्र. 5 के सभापति एड वैभव भोईर ने जनप्रतिनिधियों के साथ नाला सफाई कार्यों का निरीक्षण कर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि महापौर नारायण चौधरी का नाला सफाई को लेकर किया गया दावा पूरी तरफ फेल और भ्रामक है.प्रभाग समिति क्र. 5 में नाला सफाई के काम की सभापति एड वैभव भोईर, नगरसेवक मयूरेश पाटिल, नेहा काठवले, रोमा आलशी, पूर्व पार्षद प्रदीप राका, मलिक मोमिन, फहीम अंसारी के साथ निरीक्षण करने के बाद मीडिया कर्मियों से बात कर रहे थे.

गौरतलब हो कि,मनपा प्रभाग सभापति एड वैभव भोईर ने ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भारी नाराजगी प्रकट करते हुए चेतावनी भरे शब्दों में कहा कि, मनपा एरिया अंतर्गत शहर में नाले की सफाई का काम बहुत धीमी गति से चल रहा है. अभी तक सिर्फ 30 से 40 % नाले की सफाई ही पूरी हुई है.शहर मे जलजमाव हुआ तो प्रशासन और ठेकेदार जिम्मेदार होंगे. प्रभाग समिति क्र. 5 का इलाका शहर का आखिरी हिस्सा है. भिवंडी शहर के ज्यादातर नाले यहीं नालों और खाड़ी में मिलते हैं. अगर यहां नालों की सफाई सही रूप से नहीं हुई तो रहिवासी इलाके में पानी जमा होने से कई इलाकों में बाढ़ आने की संभावना है. नाला,गटर सफाई ठीक से नहीं होने से लाखों नागरिकों की जानमाल का भारी नुकसान होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है.एड वैभव भोईर ने आरोप लगाया है कि महापौर नारायण चौधरी का ऐलान कि वे मानसून से पहले नाले की सफाई पूरी कर देंगे, सिर्फ एक झूठा,खोखला वादा है. उन्होंने कहा कि,

मानसून से पहले नाले की सफाई का काम पूरा करने की खातिर ठेकेदार को तुरंत काम की गति बढ़ानी चाहिए ताकि शहर में पानी भरने से नागरिकों को परेशानी न हो. अगर ठेकेदार ठीक से काम नहीं करता है तो बिल भुगतान कदापि नहीं किया जाना चाहिए.

# नौपाड़ा में बाढ़ की स्थिति पर मॉक ड्रिल

**ठाणे.** मानसून के मद्देनजर आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए बुधवार को नौपाड़ा पुलिस द्वारा चिखलवाड़ी क्षेत्र में एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। भारी बारिश के कारण चिखलवाड़ी, भास्कर कॉलोनी क्षेत्र के जलभराव वाले इलाकों में दो निवासियों के फंसे होने की काल्पनिक स्थिति बनाकर बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया।आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन ताडवी, नौपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अभय महाजन, पुलिसकर्मी, अतिक्रमण विभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, ठाणे आपदा प्रतिक्रिया बल, महावितरण कर्मचारी और नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर और कर्मचारी इस मॉक ड्रिल में शामिल हुए। यह रंगारंग अभ्यास, जो शाम 4.02 बजे शुरू हुआ, लगभग 4.35 बजे सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस गतिविधि के माध्यम से विभिन्न प्रणालियों के बीच समन्वय, बचाव कार्यों की तत्परता और आपातकालीन प्रतिक्रिया का परीक्षण किया गया। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ ने बताया कि इस मॉक ड्रिल के दौरान कोई भी घायल नहीं हुआ।

# रेत की जमाखोरी के खिलाफ़ राजस्व विभाग की कार्रवाई

**भिवंडी.** जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल, अपर जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल और सब-डिवीजनल ऑफिसर अमित सानप के मार्गदर्शन में, भिवंडी तहसीलदार अभिजीत खोले के आदेश पर, राजस्व विभाग ने गुरुवार को केवणी और काल्हेर के रिज़र्व फ़ॉरेस्ट और गुरुचरण इलाकों में रेत के गैर-कानूनी जमाखोरी और रेत माफिया की गैर-कानूनी गतिविधियों के खिलाफ़ एक बड़ी जॉइंट कार्रवाई की।

यह कार्रवाई सभी गांव के रेवेन्यू ऑफिसर, कंदलवन कंज़र्वेशन यूनिट ठाणे, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारी और कर्मचारी, भिवंडी रूरल और नारपोली पुलिस स्टेशन के ऑफिसर और कर्मचारी, पंचायत समिति भिवंडी के अधिकारी और संबंधित ग्राम पंचायतों के अधिकारी और कर्मचारियों की एक्टिव हिस्सेदारी से की गई। इस कार्रवाई में मंडल ऑफिसर खारबाव सुधाकर कामड़ी, मंडल ऑफिसर भिवंडी शैलेश भोजने, मंडल ऑफिसर अनगांव गणेश विशेष, मंडल ऑफिसर राहुर रवींद्र काले शामिल थे।

इस कार्रवाई में खाड़ी से अवैध रूप से निकाली गई रेत के भंडारण के लिए तैयार किए गए टैंकों को जेसीबी मशीनों की मदद से ध्वस्त कर दिया गया. इसमें मौजे केवणी में सर्वे क्रमांक 181/ए, क्षेत्रफल 22.33.39 हेक्टेयर आर वर्ग मीटर, कब्जाधारी गुरुचरण ग्रुप ग्राम पंचायत केवणी-दिवे, यहां 15 टैंक और सर्वे क्रमांक 181/बी, क्षेत्रफल 08.03.61 हेक्टेयर आर वर्ग मीटर, कब्जाधारी आरक्षित वन और सर्वे क्रमांक 114, क्षेत्रफल 03.32.85 हेक्टेयर आर वर्ग मीटर, भोगवटादार आरक्षित वन क्षेत्रों में बनाए गए ८ टैंक मिलाकर कुल 23 अवैध रेती भंडारण टैंकों का समावेश था.

राजस्व विभाग द्वारा किए गए निरीक्षण में पता चला कि खाड़ी से चुराई गई बड़ी मात्रा में रेत इन टैंकों में संग्रहीत की जा रही है. इस कार्रवाई से अवैध रेत कारोबार चेन को बड़ा झटका लगा है और रेत माफिया को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है.

राजस्व विभाग ने पहले भी भिवंडी तालुका के विभिन्न हिस्सों में अवैध रेत खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की है और कई मामले दर्ज किए हैं. गुरुवार को की गई यह कार्रवाई उस अभियान में एक और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है और अवैध रेत प्रशासन द्वारा शुरू की गई इन कार्रवाइयों से अवैध रेत कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

### मेमन ने की अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की मांग

**मुंबई.** भाजपा के माइनॉरिटी फ्रंट राज्य सचिव रेहान मेमन ने मुंबई में चल रहे गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन, अनरजिस्टर्ड नर्सिंग होम, अनरजिस्टर्ड रेस्टोरेंट, अनरजिस्टर्ड होटल लॉज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के संबंध में मुंबई मनपा के ईस्ट डिवीजन के असिस्टेंट कमिश्नर उज्ज्वल इंगोले को पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि मुंबई मनपा के ईस्ट डिवीजन में पूरी तरह से गैर-कानूनी काम हो रहे हैं और अधिकारी गैर-कानूनी काम का सपोर्ट कर रहे हैं। मनपा आयुक्त अश्विनी भिंडे से उन्होंने मांग की है कि गैर-कानूनी काम रुकवाएं। सूत्रों से पता चला है कि कुछ अधिकारी इन गैरकानूनी कार्यों में लोगों की मदद कर रहे हैं।

# मनपा में नौकरी का सपना दिखाकर साढ़े छह लाख ठगे

**उल्हासनगर.** उल्हासनगर महानगरपालिका में क्लर्क की नौकरी दिलाने का वादा करके एक किसान परिवार से साढ़े छह लाख रुपये ठगने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले से इलाके में हड़कंप मच गया है।

पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी तुषार चंद्रकांत गायकवाड़ और अजीत मधुकर चव्हाण ने शिकायतकर्ता मोहन राम म्हात्रे (उम्र 61, निवासी वासर गांव, म्हात्रे पाड़ा, हाजीमलंग रोड, अंबरनाथ) के बेटे सुभाष मोहन म्हात्रे से वादा किया था कि उन्हें उल्हासनगर महानगरपालिका में क्लर्क की नौकरी लगवा देंगे। आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता से कई चरणों में 6 लाख 50 हजार रुपये नकद ले लिए। हालांकि, पैसे लेने के बावजूद सुभाष म्हात्रे को कोई नौकरी नहीं मिली।

इसके बाद जब शिकायतकर्ता ने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने दोनों जालसाजों के खिलाफ मामला दर्ज कराया और गोलमोल जवाब देकर समय बर्बाद किया। आखिरकार, जब शिकायत करने वाले को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है, तो वह पुलिस के पास गया। इस शिकायत के आधार पर, पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ इंडियन पीनल कोड की धारा 316(2) और 318(4) के तहत मामला दर्ज किया है और आगे की जांच चल रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे नौकरी का लालच देकर धोखा देने वाले गैंग से सावधान रहें।

## RTE 25 परसेंट एडमिशन प्रोसेस 2026-27

# वेटिंग लिस्ट का दूसरा राउंड शुरू

**ठाणे.** राइट टू एजुकेशन एक्ट (RTE) 2009 के तहत प्राइवेट अनएडेड स्कूलों में 25 परसेंट रिज़र्व सीटों के लिए एडमिशन प्रोसेस 2026-27 के लिए वेटिंग लिस्ट के दूसरे राउंड को 04 जून, 2026 से 12 जून, 2026 तक का समय दिया गया है।यह एडमिशन प्रोसेस राज्य सरकार के स्कूल एजुकेशन और स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के निर्देशों के अनुसार और महाराष्ट्र राज्य के डायरेक्टर ऑफ़ एजुकेशन (प्राइमरी) के गाइडेंस में लागू किया जा रहा है। पहले राउंड में एडमिशन प्रोसेस पूरा होने के बाद, खाली बची सीटों पर वेटिंग लिस्ट में शामिल एलिजिबल स्टूडेंट्स को एडमिशन का मौका देने के लिए दूसरा राउंड शुरू किया गया है इस राउंड में चुने गए स्टूडेंट्स के पेरेंट्स RTE एडमिशन पोर्टल पर दी गई जानकारी

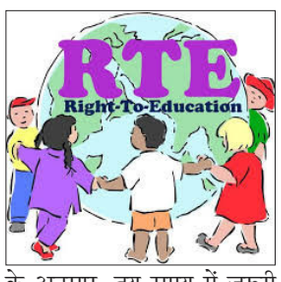


के अनुसार, तय समय में ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ संबंधित स्कूल में जाकर एडमिशन प्रोसेस पूरा करें। अगर डेडलाइन के अंदर एडमिशन कन्फर्म नहीं होता है, तो संबंधित सीट अगले एलिजिबल स्टूडेंट को दे दी जाएगी।पेरेंट्स एडमिशन प्रोसेस के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स, रहने का प्रूफ, बर्थ सर्टिफिकेट, आधार कार्ड और सरकार द्वारा बताए गए दूसरे डॉक्यूमेंट्स तैयार रखें। एडमिशन प्रोसेस के दौरान किसी भी तरह की मुश्किल होने पर, संबंधित ग्रुप एजुकेशन ऑफिसर के ऑफिस, एजुकेशन डिपार्टमेंट या RTE हेल्पडेस्क पर संपर्क करें।सरकार का मकसद RTE के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित ग्रुप के स्टूडेंट्स को अच्छी क्वालिटी की पढ़ाई के मौके देना है, और एजुकेशन डिपार्टमेंट ने एलिजिबल पेरेंट्स से इस मौके का फायदा उठाने की अपील की है।चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर रंजीत यादव ने अपील की, "शिक्षा का अधिकार हर बच्चे का फंडामेंटल हक है। RTE एडमिशन प्रोसेस के ज़रिए, अच्छी क्वालिटी की पढ़ाई का मौका समाज के वंचित और कमजोर तबके तक पहुंच रहा है। वेटिंग लिस्ट के दूसरे राउंड में चुने गए स्टूडेंट्स के पेरेंट्स तय समय में एडमिशन प्रोसेस पूरा करें.

# खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने दो दुकानों पर छापा मारा

**ठाणे.** आनंद किशोर पटेल (26) और रितेश कुमार (33) को वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत गिरफ्तार किया गया, जब खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम ने 2,723 रुपये मूल्य का सामान जब्त किया और उसे बेच दिया।

शिकायतकर्ता मंजिरी हनुमंत धवाले (31), खाद्य सुरक्षा अधिकारी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, ने सूचना प्राप्त होने पर कि सरकार द्वारा प्रतिबंधित सुगंधित सुपारी, पान मसाला और तंबाकू उत्पादों की खुलेआम बिक्री हो रही है, 2 जून को छापेमारी की। छापेमारी में पाया गया कि नेहरू नगर के वागले एस्टेट रोड नंबर 16 स्थित एम. धनाजी पान की दुकान और एम. वृक्षवल्ली पान की दुकान पर प्रतिबंधित उत्पाद बेचे जा रहे थे। टीम ने दोनों दुकानों से 2,723 रुपये का सामान जब्त किया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम ने वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन में एम. धनाजी पान की दुकान के विक्रेता और मालिक आनंद किशोर और एम. वृक्षवल्ली पान की दुकान के विक्रेता और मालिक रितेश कुमार (33) के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

# यात्रियों की सेवा में शीघ्र उपलब्ध होगी डबल डेकर बस

### ठाणे मनपा परिवहन सेवा में ई-बस, डबल-डेकर ई-बस एवं CNG बस परियोजना की समीक्षा

■ महपौर ने दिया चार्जिंग स्टेशन का काम पूरा करने का निर्देश

**ठाणे.** महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर राज्य के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे मनपा परिवहन सेवा में शामिल पहली वातानुकूलित डबल डेकर ई-बस का उद्घाटन किया था. लेकिन एक महीने से अधिक समय व्यतीत होने के बावजूद अभी तक यह बस यात्रियों की सेवा में उपलब्ध नहीं हो पायी है. महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने वागले इस्टेट बस डिपो में अलग से चार्जिंग स्टेशन बनाने का काम पूरा कर शीघ्र ही डबल डेकर बस को सेवा में शामिल करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है.

महापौर पिंपलोलकर ने गुरुवार को वागले इस्टेट बस डिपो में चार्जिंग स्टेशन की जहग का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों संग बैठक कर ठाणे मनपा परिवहन सेवा में ई-बस, डबल-डेकर ई-बस

एवं सीएनजी बस परियोजना की समीक्षा की. इस अवसर पर सभागृह नेता हणमंत जगदाले , शिवसेना गुट नेता पवन कदम, नगरसेवक अनिल भोर, अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, परिवहन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे.

गौरतलब हो कि ठाणे महानगरपालिका परिवहन सेवा के बेड़े में फ़िलहाल 10 डबल डेकर ई बस को शामिल किया जाना है. पहली डबल डेकर बस अप्रैल महीने में बेड़े में शामिल हुई थी. महाराष्ट्र दिवस पर डबल डेकर ई-बस का उद्घाटन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया था. इस बस का प्रत्यक्ष परीक्षण भी किया गया. लेकिन नियमित सेवा के लिए ज़रूरी अलग से चार्जिंग स्टेशन नहीं होने की वजह से यह बस अभी घोड़बंदर रोड पर स्थित आनंदनगर बस डिपो में खड़ी है.जिसको देखते हुए महापौर ने इस बस के संचालन को लेकर ज़रूरी सुविधाएं देने के लिए वागले इस्टेट डिपो में जगह का निरीक्षण किया.

महापौर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई जिसमें ई-बसों, डबल डेकर ई-बसों और आने वाली सीएनजी बसों की के लिए ज़रूरी चार्जिंग स्टेशन, फ्यूल की सुविधा और दूसरी टेक्निकल बातों का डिटेल में समीक्षा की गयी. प्रशासन की तरफ से बताया गया कि डेकर ई-बसों के लिए अलग चार्जिंग स्टेशन बनाने का प्रोसेस चल रहा है और इसके लिए ज़रूरी जगह, पावर सप्लाई और टेक्निकल बातों की प्लानिंग की जा रही है. डबल डेकर बसों और नई शुरू हुई ई-बसों और सीएनजी बसों के लिए ज़रूरी सुविधाएं बनाने का काम प्रायोरिटी पर किया जा रहा है. कुछ टेक्निकल बातें प्रशासन के ध्यान में आई हैं और इस बारे में संबंधित विभाग, महावितरण और ठेकेदार के साथ समन्वय किया जा रहा है. प्रशासन ने बताया कि चार्जिंग स्टेशन बनाने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन बस सर्विस जल्द शुरू करने के लिए दूसरे तरीकों पर भी विचार किया जा रहा है. राज्य सरकार के निर्देश के मुताबिक, आने वाले दिनों में ठाणे मनपा परिवहन सेवा में डबल डेकर ई-बसें और 100 सीएनजी बसें शामिल की जाएंगी

# फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी का निधन

■ सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष रहे

■ गोविंदा को ब्रेक दिया था

■ शोला और शबनम, आंखें जैसी फिल्में बनाईं

फिल्म प्रोड्यूसर और CBFC (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) के अध्यक्ष रहे पहलाज निहलानी का 76 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह कई दिनों से बीमार थे।उन्होंने बुधवार देर रात 3 बजे आखिरी सांसें लीं। पहलाज निहलानी का अंतिम संस्कार आज 3 बजे मुंबई के सांताक्रूज श्मशान में हुआ। ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन ने बताया है कि कोविड में तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें कुछ दवाइयों से कॉम्प्लिकेशन्स हो गए थे, जिससे उनकी किडनी पर असर पड़ा था। उनका इसी से संबंधित इलाज चल रहा था।

फिल्म एसोसिएशन IMPAA के प्रेसिडेंट अभय सिन्हा ने पहलाज निहलानी के निधन पर कहा- वो कई दिनों से बीमार थे, हॉस्पिटल में थे। रात 3 बजे उनका देहांत हुआ है। इंडस्ट्री ने एक अच्छा इंसान खो दिया। बहुत बड़े प्रोड्यूसर थे। वो IMPAA के भी चेयरपर्सन थे। शत्रुघ्नसिन्हा के बेहद क्लोज थे, उनकी हर पार्टी में पहुंचते थे।

पहलाज निहलानी को 5 साल पहले खून की उल्टियां हुई थीं, जिसके बाद वो 28 दिनों तक मुंबई के नानावटी अस्पातल में भर्ती रहे थे।

पहलाज निहलानी ने 1982 में बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म हथकड़ी बनाई और यहीं से उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई। इसके बाद 1985 में उनकी दूसरी फिल्म आंधी-तूफान रिलीज हुई, जिसने उन्हें बॉलीवुड में एक निर्माता के रूप में पहचान दिलाई। साल 1986 में उन्होंने फिल्म इल्जाम बनाई, जिससे गोविंदा को पहला बड़ा ब्रेक मिला।

### भिवंडी मनपा की वृक्ष प्रेमियों से अपील

**भिवंडी.** भिवंडी मनपा मानसून के दौरान बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का काम कर रहा है। इसलिए, 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर मनपा की तरफ से नागरिकों को पेड़ों की देखभाल और बचाव की गारंटी के आधार पर मुफ्त में पौधे दिए जाएंगे। कमिश्नर अनमोल सागर ने पेड़-पौधे पसंद करने वाले नागरिकों से अपील की है कि वे लगाए गए पेड़ों को बचाने और उनकी देखभाल करने में मनपा का साथ दें। लगाए गए पेड़ों की फोटो टैग करते हुए मनपा के ट्विटर पर शेयर की जाएंगी।

# परेश उर्फ राजू चौगुले भिवंडी नागरिक कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन चुने गए

**भिवंडी.** शहर में करीब 75 साल पुरानी भिवंडी नागरिक कोऑपरेटिव बैंक का परेश उर्फ राजू चौगुले को चेयरमैन चुना गया है. चेयरमैन का पद संभालने के बाद चौगुले ने बैंक के अकाउंट होल्डर्स का भरोसा जीता और बैंक के मॉडर्नाइजेशन के लिए कई पहल करने का भरोसा दिलाया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ बैंकिंग सेक्टर में डिजिटल सर्विसेज़ का महत्व बढ़ा है और भिवंडी नागरिक

कोऑपरेटिव बैंक भी मॉडर्न टेक्नोलॉजी अपनाएगा। आने वाले दिनों में अकाउंट होल्डर्स के लिए मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल बैंकिंग और दूसरी मॉडर्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने यह भी साफ किया कि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, कर्मचारी और अकाउंट होल्डर्स बैंक की तरक्की के लिए मिलकर काम करेंगे, और कस्टमर्स को तेज, सुरक्षित और अच्छी सर्विस देने पर जोर दिया जाएगा।

नए चेयरमैन ने 75 साल की परंपरा को बनाए रखते हुए मॉडर्न बैंकिंग सुविधाओं के जरिए बैंक को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का पक्का इरादा जताया है। इससे खाताधारकों के बीच भी सकारात्मक माहौल बना है।

आवश्यकता है...
सुंदर सेवक सभा
स्वामी सर्वानंद अस्पताल
पुराने बस टर्मिनस के पास,
उल्हासनगर-421005
हमारे रखरखाव विभाग के लिए
निम्नलिखित कर्मियों की आवश्यकता है:
1. पर्यवेक्षक-विद्युत/यांत्रिक
2. इलेक्ट्रीशियन/मैकेनिक/तकनीशियन/प्लंबर
योग्य और अनुभवी व्यक्ति संबंधित प्रमाण पत्रों और प्रशंसा पत्रों के साथ आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन कैसे करें:
मानव संसाधन विकास प्रबंधक को ईमेल द्वारा
sarvanand_hsp@rediffmail.com पर
या
व्यक्तिगत रूप से अपॉइंटमेंट लेकर
7030458933 | 0251-2527517 | 2524618 पर।

## आम सूचना

मैं श्री जमील इस्माईल अंसारी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, शिवाजी रोड के पीछे, शहाड फाटक, जामा मस्जिद के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 09एओ014885000) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती शकीला इस्माईल अंसारी के नाम पर है।उनका निधन 15.9.2019 को हुआ व श्री इस्माईल अब्दुलगनी अंसारी का निधन 14.1.2023 को हुआ। श्री शफी जमाल उर्फ इस्माईल अंसारी व श्रीमती सुलताना नजीर खान ने रिलीज एग्रीमेंट 3.6.2026 सी.नं. 491/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री जमील इस्माईल अंसारी

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099